BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (19.02.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 19.02.2025, PAGE-04

'पश्चिमी सभ्यता से तुलना की जरूरत नहीं'

मुजफ्फरपुर, प्रसं। बीआरएबीयू के राजनीति विज्ञान विभाग की तरफ से चल रहे दो दिवसीय सेमिनार भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का ऐतिहासिक विकास का समापन मंगलवार को हो गया। दूसरे दिन दिल्ली विवि के वरिष्ठ प्राध्यापक व पूर्व सांसद प्रो. राकेश सिन्हा ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमें पश्चिमी सभ्यता या विश्व से तुलना करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम स्वयं श्रेष्ठ हैं।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को सकारात्मक भाव से ही परिभाषित किया जा सकता है। भारत वर्ष में निवास करने वाले सभी लोग उसके हिस्सेदार हैं। भारत के धर्म और पश्चिम के धर्म में सबसे बड़ा अंतर वैश्विक चेतना और ब्रह्मांडीय चेतना का है। गांधी ने ब्रह्मांडीय चेतना से जुड़कर काम किया, इसलिए वह कालजयी हो गये। उन्होंने कहा कि भारत के राष्ट्रवाद में असहमति और आलोचना की पूरी छूट है। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुरेश पाण्डेय ने भारतीय राष्ट्रवाद को प्राचीनतम बताते हुए कहा कि अपने मूल से जुड़े रहकर ही हम राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं। कुलपति डॉ. दिनेश चंद्र राय ने शोधार्थियों को विषय वस्तु की गहराई में जाकर शोध करने का आह्वान किया। डॉ. अरुण कुमार सिंह ने दो दिवसीय सेमिनार की पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत की। विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम कुमारी ने राष्ट्रवाद पर हुई चर्चा को ऐतिहासिक बताया। धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान की डीन डॉ. संगीता रानी ने किया। इससे पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पाटलीपुत्र विवि से आये सहायक प्राध्यापक डॉ. विनीत लाल और वर्द्धमान विवि से आई डॉ. प्रियंका दत्ता चौधरी ने की।

सत्र का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. भारती सेहता ने किया। मौके पर डॉ. अमर बहादुर शुक्ला, पाटलिपुत्र विवि से आई डॉ. प्रीति रानी, डॉ. दिलीप कुमार, शोध छात्र हिमांशु कुमार, डॉ. पंकज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

बीआरएबीयू में आयोजित सेमिनार में पूर्व सांसद राकेश सिन्हा व अन्य।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE: 19.02.2025, PAGE-04

आज जारी हो सकता है स्पेशल परीक्षा का रिजल्ट

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में स्पेशल परीक्षा पार्ट वन का रिजल्ट बुधवार को जारी किया जा सकता है। परीक्षा विभाग ने इसकी तैयारी कर ली है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि उम्मीद है कि बुधवार को रिजल्ट जारी कर दिया जाये। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि सेमेस्टर वन सत्र 2024-28 की भी कॉपियों की जांच जल्द शुरू की जायेगी।

अंग्रेजी विभाग के शिक्षक का तबादला

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू के पीजी अंग्रेजी विभाग के शिक्षक डॉ. ज्योति नारायण सिंह का तबादला टीपी वर्मा कॉलेज कर दिया गया है। विवि प्रशासन ने मंगलवार को इसकी अधिसूचना जारी की। प्रो. सिंह का तबादला प्रशासनिक दृष्टिकोण से किया गया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से कॉलेज में योगदान देने का कहा गया है।

एलएलएम के छात्रों का भरा जायेगा परीक्षा फार्म

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में एलएलएम सत्र 2023-25 के छात्रों का परीक्षा फार्म भरा जायेगा। विवि प्रशासन ने इसका निर्देश दे दिया है। कुछ तकनीकी कारणों से इन छात्रों का परीक्षा फार्म नहीं भरा जा रहा था। परीक्षा फार्म भरने का आदेश जारी होने के बाद इन छात्रों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एलएलएम में 50 छात्रों की परीक्षा होनी है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 19.02.2025, PAGE-06

विषय में बदलाव के लिए मिलेगा विकल्प

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पीजी में नामांकन के लिए विद्यार्थियों को जल्द ही विषय बदलाव कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें आवेदन में एडिट का विकल्प दिया जाएगा। इससे कई ऐसे विषयों में भी छात्र-छात्राओं को नामांकन होगा, जिनमें अपेक्षाकृत कम आवेदन आए हैं। केवल हिंदी और इतिहास विषय में छात्रों को एडिट का विकल्प नहीं मिलेगा। इसका प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। दूसरी ओर जल्द ही विश्वविद्यालय की ओर से बैठक भी बुलाई जाएगी। पीजी में पहली मेधा सूची के आधार पर पीजी विभागों से लेकर कालेजों में नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। इसमें कई विषयों में सीटें खाली रह गई हैं। ऐसे में दूसरे विषयों में नामांकन के लिए विद्यार्थी विभागों में फोन कर रहे हैं। दूसरी ओर बीटेक उत्तीर्ण कई छात्रों ने भी एमएससी में नामांकन के लिए आवेदन किया है। उन्हें दूसरी मेधा सूची में नामांकन के लिए कालेज और विभाग आवंटित किया जाएगा। अगर किसी कालेज में इतिहास विषय में नामांकन के लिए अधिक मारामारी है और अर्थशास्त्र में सीटें खाली हैं तो छात्र वहां नामांकन ले सकेंगे। आवेदन में एडिट का विकल्प लेने के बाद ही छात्र ऐसा कर सकेंगे।

पीजी होमसाइंस में नामांकन के लिए किया आवेदन

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पीजी होमसाइंस में नामांकन के लिए छात्रों ने भी आवेदन किया है। इस आधार पर जारी पहली मेरिट लिस्ट में चार छात्रों को पीजी होम साइंस में नामांकन के लिए सूची जारी हुई है। इसमें तीन छात्रों को पीजी होम साइंस विभाग और एक छात्र को अंगीभूत कालेज आवंटित किया गया है। जब छात्र नामांकन के लिए पहुंचे तो विभाग की ओर से जानकारी ली गई। सभी ने इसे भूलवश विभाग आवंटन का मामला समझा। जब छात्रों ने बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्होंने पीजी होम साइंस में नामांकन के लिए आवेदन किया है। इस आधार पर पीजी होम साइंस विभागाध्यक्ष ने होम साइंस में छात्रों के नामांकन के लिए विश्वविद्यालय से मार्गदर्शन मांगा गया है। बताया गया है कि पीजी होम साइंस विभाग में प्रेम कुमार, अभिनंदन कुमार और रौशन राज को पीजी होम साइंस विभाग और उदय कुमार को आरएलएसवाई बेतिया कालेज में नामांकन के लिए भेजा गया है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय का कहना है कि ऐसा कोई स्पष्ट गाइडलाइन नहीं है कि होम साइंस में छात्रों का नामांकन नहीं होगा।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:19.02.2025, PAGE-04

गृह विज्ञान विषय में पीजी के लिए छात्रों की रुचि बढ़ी, चार को कॉलेज भी आवंटित

लड़के भी पढ़ने लगे हैं गृह विज्ञान

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

गृह विज्ञान विषय में अब छात्रों की रुचि बढ़ने लगी है. इस विषय में पढ़ने के लिए छात्र आगे आने लगे है. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान विषय से स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने के लिए कई लड़कों ने भी आवेदन किया है.

विश्वविद्यालय की ओर से जारी पहली मेरिट लिस्ट में 4 लड़कों को भी जगह मिली है. इसमें 3 को विश्वविद्यालय पीजी विभाग और 1 को कॉलेज आवंटित किया गया है. इसमें प्रेम कुमार, अभिनंदन कुमार व रौशन राज को पीजी विभाग आवंटित किया गया है. वहीं उदय कुमार का नाम आरएलएसवाई कॉलेज की लिस्ट में है. गृह विज्ञान इकलौता विषय है, जिसमें लड़कियों का एकाधिकार माना जाता है. हालांकि बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में यह मिथक टूटता दिख रहा है.

एडमिशन के लिए पहुंचे तो सामने आया मामला :विश्वविद्यालय में पीजी सत्र 2024-26 के लिए एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है. 26 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने विभिन्न विषयों के लिए आवेदन किया हैं, जबकि पीजी विभाग से लेकर कॉलेज तक करीब साढ़े 11 हजार सीट ही है. अभी पहली मेरिट लिस्ट 10794 अभ्यर्थियों की जारी की गई है. इसमें गृह विज्ञान के 408 सीटों के लिए भी अभ्यर्थियों को विभाग और कॉलेज आवंटित किया गया है.

छात्र जब विभाग में एडमिशन के लिए पहुंचे, तो मामला सामने आया. पहले लगा कि गलती से आवेदन में गृह विज्ञान का विकल्प भर दिया होगा, लेकिन छात्रों ने जब गृह विज्ञान से पीजी करने की बात कही, तो विभागाध्यक्ष ने विश्वविद्यालय से मार्गदर्शन मांगा है.

लड़कों के एडमिशन को लेकर मांगा मार्गदर्शन

विभागाध्यक्ष ने विश्वविद्यालय से गृह विज्ञान में लड़कों के एडमिशन को लेकर मार्गदर्शन मांगा है. वहीं, विश्वविद्यालय की ओर से कहा जा रहा है कि इस तरह का कोई स्पष्ट निर्देश नहीं है कि गृह विज्ञान में लड़कों का एडमिशन प्रतिबंधित रहेगा. केवल लड़कियों का एडमिशन लिया जाएगा. अब तक गृह विज्ञान विषय में लड़कों का आवेदन नहीं आता था, तो किसी को ध्यान भी नहीं आया. बताया जा रहा है कि कुलपति की अनुमति के बाद निर्णय लिया जाएगा. बता दें कि नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई, तो ये छात्र भी विभाग में संपर्क किये. मेरिट लिस्ट में उनका नाम देखकर विभाग के कर्मचारी के साथ ही शिक्षक भी हैरान रह गए.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 19.02.2025, PAGE-04

भारत के राष्ट्रवाद में असहमति व आलोचना की पूरी छूट

- बीआरएबीयू के राजनीति विज्ञान विभाग में सेमिनार का आयोजन

उपमुख्य संवाददाता, मुजफ्फरपुर

सेमिनार में मौजूद डॉ राकेश सिन्हा, डॉ सुरेश, डॉ दिनेश चंद्र राय व अन्य.

बीआरएबीयू के राजनीति विज्ञान विभाग में चल रहे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विकास का इतिहास विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन मंगलवार को वकताओं ने अपने विचार रखे. मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक व पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ राकेश सिन्हा ने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को सकारात्मक भाव से ही परिभाषित किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि भारत के राष्ट्रवाद में असहमति और आलोचना की पूरी छूट है. यहां एक ही घर में कोई नास्तिक है तो दूसरा ईश्वर की सत्ता में विश्वास करने वाला.विशिष्ट अतिथि डॉ सुरेश पांडेय ने भारतीय राष्ट्रवाद को प्राचीनतम बताते हुए कहा कि अपने मूल से जुड़े रहकर ही हम राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं. कुलपति डॉ दिनेश चंद्र राय ने शोधार्थियों को विषय वस्तु की गहराई में जाकर शोध करने का सुझाव दिया. पूर्व सीनेटर डॉ अरुण कुमार सिंह ने दो दिवसीय सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की. विभागाध्यक्ष डॉ नीलम ने स्वागत संबोधन में राष्ट्रवाद पर हुई चर्चा को ऐतिहासिक बतलाया. धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान की डीन डॉ संगीता रानी ने किया.

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ अमर बहादुर शुक्ला सहित अन्य विभागीय सहयोगियों का योगदान रहा. तकनीकी सत्र में पाटलिपुत्र विवि के सहायक प्राध्यापक डॉ बिनीत लाल ने भी विचार रखे. कार्यक्रम में डॉ जीतेंद्र नारायण, डॉ अनिल ओझा, डॉ संजय, डॉ शरदेंदु शेखर, डॉ ममता रानी, बर्दवान यूनिवर्सिटी की डॉ प्रियंका दत्ता चौधरी, डॉ देवेंद्र प्रसाद तिवारी, डॉ पंकज कुमार सिंह सहित अन्य ने विचार रखे.